RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2021-23

पिघलता हिमालय

वर्ष 38 अंक 44 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 10 अप्रैल 2023 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिय,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

रानीखेत में आन्दोलन छावनी के सिविल एरिया को नगर पालिका में शामिल करने की मांग

कार्यालय प्रतिनिधि

रानीखेत। छावनी के सिविल एरिया को पूर्व सृजित नगर पालिका में शामिल करने की मांग को लेकर रानीखेत में उबाल है। रानीखेत विकास संघर्ष समिति का धरना-प्रदर्शन गांधी पार्क में जारी है और बाजार बन्दी के साथ गुस्सा जताया गया।

छावनी परिषद से मुक्ति दिलाने को लेकर आन्दोलनकारियों ने नारेबाजी करते हुए मशाल जुलूस भी निकाला। संघर्ष समिति ने घर-घर सम्पर्क करते हुए इस आन्दोलन को जारी रखने का निर्णय लिया है। समिति का कहना है कि रानीखेत के विकास के लिये नगर पालिका में सिविल क्षेत्र को शामिल करना होगा। छावनी के अन्तर्गत होने से कोई कार्य होने में अड़चन है। तमाम प्रकार के अड़ंगे छावनी परिषद के होने से हैं जबकि सिविल क्षेत्र अपने विकास के लिये तरस रहा है। पालिका क्षेत्र में शामिल होने से विकास तेजी से होगा।

रानीखेत में चल रहे आन्दोलन में व्यापार मण्डल, वृद्धजल कल्याण समिति, होटल एसोसिएशन, पत्रकारों, सभी राजनीतिक, गैर राजनीति संगठनों की सहभागिता है। चुनाव से पहले वह अपनी इस मांग पर निर्णय चाहते हैं।

पस्तोला-नरगोली सड़क की खस्ता हालत पर भड़क चुके हैं ग्रामीण, ज्ञापन सौंपा

बेरीनाग। पस्तोला-नरगोली सड़क की खस्ता हालत पर ग्रामीण भड़क चुके हैं। इस मामले में कमस्यार घाटी विकास संघर्ष समिति की ओर से जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया है। समिति के संयोजक मदन मोहन रावत ने कहा है कि लोक निर्माण विभाग बेरीनाग द्वारा निर्मित बेरीनाग-पस्तोला-नरगोली मोटर मार्ग लगभग 15 वर्षों से भी अधिक समय से वाहन चलाने योग्य नहीं बन पाया है। इस मार्ग में बेरीनाग से आगे तीन जेड बैंड खतरनाक हालत में है। वर्षाकाल में प्रतिवर्ष यह सड़क टूट जाती है और इस जेड बैंड के सुधारीकरण में प्रति वर्ष सरकारी धन का अत्यधिक खर्च होने के बाद भी सड़क की हालत सही नहीं हो पा रही है। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि जेड बैंड का पुन: निर्माण, कार्य की गुणवत्ता सहित, मोटर मार्ग को बड़े वाहन चलाये जाने लायक बनाये जाने एवं मोटर मार्ग का डामरीकरण किया जाए।

ज्ञापन में बताया गया है कि इस मोटर मार्ग से पिथौरागढ़ जनपद के पौसा, पस्तोला दौलीगाड़ गाँवों के साथ ही बागेश्वर जनपद के कमस्यार घाटी के लगभग दो दर्जन गाँवों की जनता प्रभावित हो रही है, जिससे बैंकिंग, बाजार के कार्य हेतु बेरीनाग पर निर्भर जनता, हाईस्कूल इण्टर व डिग्री कालेज पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांग को इस बार नहीं माना गया तो उग्र आन्दोलन किया जायेगा।

ये कैसा सिलसिला है?

सीएम का दावा पर्यटन के क्षेत्र अगले 7 वर्ष में 5 लाख रोजगार जुटाएगी सरकार

उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पहले स्मार्ट सीएम की रेस में आगे गिने गये थे अब उन्हें देश के 100 मोस्ट पॉवरफुल भारतीयों की सूची में रखा गया है। देखने सुनने में यह सबकुछ बहुत अच्छा लगता है कि हमारे सीएम आगे हैं लेकिन जिन चुनौतियों से समाज लड़ रहा है उन्हें पूरा कर पाएंगे?

लगातार दौड़भाग, केन्द्र से सम्पर्क, अपने विधानसभा क्षेत्र में सतर्क, घोषणाएं, अफसरों के साथ बैठकें खूब कर रहे हैं सीएम धामी। उनकी रणनीति का हिस्सा भी माना जा रहा है कि वह भविष्य की राजनीति को देखते हुए एकदम संभलते हुए कदम बढ़ा रहे हैं। इसमें कोई सन्देह नहीं कि वह जनता की नब्ज पकड़ने में माहिर हैं। वह जान रहे हैं कि धारा में चलने के लिये क्या किया जाए और कैसे आगे बढ़ा जा सकता है। ये कैसा सिलसिला है यह तो समीक्षा करने वाले अपनी ओर से कर ही सकते हैं। इसमें सरकार या पार्टी समर्थक सही ठहरायेंगे और विपक्ष की अपनी नज़र है और देख रहा है कि क्या कुछ चल रहा है।

फिलहला सीएम ने अब दावा किया है कि पर्यटन के क्षेत्र में अगले 7 वर्ष में 5 लाख रोजगार सरकार जुटा लेगी। वह कहते हैं कि प्रदेश सरकार 2030 पर्यटन क्षेत्र में 5 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर जुटाएगी। पर्यटन, उद्यान, शहरी विकास समेत 5 प्रमुख क्षेत्रों से जीडीपी में साला 88500 करोड़ का अतिरिक्त राजस्व अर्जित करने का लक्ष्य बनाया गया है। इसके लिये आगामी वर्षों में सरकार इन 5 प्रमुख क्षेत्रों में तीन लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश जुटाने का लक्ष्य बनाएगी।

बात यदि प्रदेश के मुखिया की करें तो वह एकदम पीएम मोदी के नक्शेकदम पर चल रहे हैं।

जोशा गाँव में सड़क न होने से डोली के सहारे है बड़ी आबादी

मनोज बोथियाल

मुनस्यारी। ग्राम पंचायत जोशा के राजस्व गाँव गांधी नगर में आज भी सड़क न होने से डोली के सहारे ग्रामीण हैं। सड़क नहीं होने के कारण ग्रामीण गाँव की गर्भवती महिला या किसी बीमार या आपातकाल की स्थिति में डोली के सहारे अस्पताल ले जाते हैं। ग्राम प्रधान राजेश रोशन ने बताया कि गाँव में किसी की तबियत खराब होता है तब यही हाल होता है। राजस्व गांव गाँधी नगर की जनसंख्या लगभग 650 और कुल परिवार की संख्या 136 हैं। जब देश अंग्रेजों के अधीन था तब इस गाँव से देश को आजादी दिलाने के लिए एक नही तीन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने देश आजादी की लड़ाई में भाग लिया और अंग्रेज सरकार के खिलाफ आन्दोलन शुरु कर दिया था। इन्होंने भारत छोड़ो आन्दोलन में सक्रिय भूमिका निभाई और जेल चले गए। मामला यही नहीं रुका, फिर इनकी सम्पत्ति भी कुर्क कर दी गई। इस प्रकार से देश को आजादी दिलाने वाले सेनानियो के गाँव में आज भी सड़क जैसी सुविधा से शासन प्रशासन ने अनदेखी किया है।

सीमान्त क्षेत्र की दुर्दशा पर मल्ला जोहार समिति का ज्ञापन

पि.हि.प्रतिनिधि

मुनस्यारी। मल्ला जोहार विकास समिति ने सीमान्त क्षेत्र की दुर्दशा पर फिर से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया है। समिति का कहना है कि मल्ला जोहार के 14 राजस्व गाँवों में अधिकारियों की नियुक्ति होनी चाहिये। किसी प्रकार की देखरेख न कर इन ग्रामों को इनके हाल पर छोड़ दिया गया है।

समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू ने क्षेत्र के ज्वलन्त मुद्दे उठाते हुए कहा कि जल निगम डीडीहाट द्वारा करोड़ों रुपये की लागत से निर्माणाधीन कार्य किया जा रहा था, पिछले तीन साल से विभाग द्वारा कार्य न होना अपने आप में सवाल है। थल-मुनस्यारी सड़क जो बीआरओ के अधीन कार्य किया जा रहा है, दयनीय स्थिति बनी हुई है। आये दिन सड़क पर वाहन पलटने, दुर्घटनाओं होती रहती है। ऐसे में पर्यटक भी आने से कतराएंगे। ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कें जैसै- गोरीपार, जोशा, मदकोट, बोना साथ ही मुनस्यारी क्षेत्र के आस-पास की सड़कों की भी दयनीय स्थिति है। समिति के अध्यक्ष ने ज्ञापन में कहा है कि स्थानीय पुलिस विभाग द्वारा लोगों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने जोशा के युवक की मौत पर भी सवाल उठाए।

हरिद्वार की तर्ज पर बागनाथ विकसित होगा

बागेश्वर। केन्द्रीय पर्यटन मंत्रालय के तीर्थ यात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विकास सम्वर्धन अभियान (प्रसाद) के तहत बागेश्वर के विख्यात बागनाथ धाम को हरिद्वार की तर्ज पर विकसित किया जायेगा। इसके लिये 49 करोड़ रुपये स्वीकृत किये गये हैं। बताया गया है कि बिजली और परम्परागत शवदाह की व्यवस्था भी होगी।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

नवीन शैक्षिक सत्र और सपनों का स्कूल

स्कूल हमारे सपनों को पूरा करने का केन्द्र हैं, विद्या के मन्दिर हैं जहाँ से सोचने के कई रास्ते मिलते हैं। गुरुकुल हमारी शिक्षा की पद्धति रही है और ऋषियों, साधकों, गुरुजनों ने अपनी विद्याओं को अपने शिष्यों के द्वारा जग को दिया। कला-विज्ञान-वाणिज्य क्षेत्र के महान आचार्यों ने की पहचान उनके शिष्यों से भी रही है।

शिक्षा का यह सारा ढर्रा स्कूलों के रूप में सिमट चुका है। स्कूलों में प्राइमरी से लेकर विश्वविद्यालय तक तय मानकों में शिक्षण की व्यवस्था हुई। सुख-सुविधाओं में रहने वालों को सरकारी व्यवस्था से भी बेहतर की चाह हुई तो उन्होंने प्राइवेट स्कूलों की चाह रखी। इसके बाद शिक्षा जगत में वह लोग भी कूद पड़े जिन्हें इसे मात्र उद्योग रूप में देखा। शिक्षा का व्यापार वर्तमान का बड़ा कारोबार बन चुका है। ऐसे में बचपन के सपने और सपनों का स्कूल धरा रह जाता है।

अप्रैल के इस महीने में स्कूलों में प्रवेश हो रहे हैं। सरकारी स्कूलों में जुलाई में प्रवेश के लिये भीड़ जुटेगी। छोटे बच्चों को स्कूल भेजने वाले अभिभावकों के अपने सपने भी होते हैं। उन सपनों के लिये वह स्कूल संचालकों की हर उस बात को मानते चले जाते हैं जैसे- ड्रेस, कापी-किताब, फीस, अन्य प्रकार के फीस। अन्य प्रकार में वह राशि मांगी जाती है जिसके लिये सोचा भी नहीं था जैसे- प्रयोगात्मक के लिये, भ्रमण के लिये, अचानक किसी कार्यक्रम के लिये। इससे अंदाज लगाया जा सकता है कि सपने किसके पूरे हो रहे हैं।

शिक्षा के इस पूरे ढांचे में सब उलझ कर रह गये हैं। बचपन भारी बस्तों में पिस रहा है और हाईस्कूल में जाने तक हर बच्चा मोबाइल सहित तमाम साधन की चाह रखने लगा है। इसके बाद उच्चशिक्षा में तो पूछो नहीं..... बेतहाशा भीड़ को चीरते हुए किसका प्रवेश होगा पता नहीं। कहने को दूरस्थ शिक्षा के केन्द्र भी खुले हैं। इन सबसे क्या होने वाला है? शायद यही कारण है कि इण्टर के बाद अधिकांश युवा अपनी दिशा बदलने लगे हैं। आने वाला दौर बहुत बदला होगा। ऊपर से नई शिक्षा नीति का चाहे कितना ढिढोरा पीट लिया जाए, शिक्षा व्यवस्था पटरी में नहीं है।

सपनों को यदि पूरा ही करना है तो अभिभावकों को भी अपने बुने सपनों को देखने के लिये शुरुआत करनी होगी। दिखावे के स्कूलों में बच्चों को भेजने के बजाय स्वयं भी अपने बच्चों की निगरानी रखनी है। हर प्रकार की गड़बड़ी से भर रही दुनिया में सपने साकार करने के लिये वातावरण स्वयं ही तैयार करना होगा। बच्चों को उनका बचपन मिले न की स्कूलों के प्रवेश समय को पिराई सत्र समझा जाए। बच्चों की बुनियाद मजबूत होगी तो वह आगे की पढ़ाई में सोच वाले होंगे और अपने रास्ते बढ़ते जाएंगे। आप सभी को नवीन शैक्षिक सत्र की शुभकामनाएं। इसके बहाने अपना बचपन याद करें, अपने बच्चों के सपनों को सजाएं। यही आपके सपने हैं।

टनकपुर-पीलीभीत ट्रेन का समय बदला

टनकपुर। रेलवे ने टनकपुर से पीलीभीत के लिये सुबह चलने वाली ट्रेन का समय अस्थायी क्रम में बदल दिया है। स्टेशन अधीक्षक के.डी.कापड़ी ने बताया कि टनकपुर से सुबह 7 बजे चलने वाली ट्रेन (05394) अब सुबह 6.50 बजे जाएगी। और सुबह 8.35 बजे पीलीभीत पहुँचेगी। वहाँ पीलीभीत से सुबह 7.15 बजे टनकपुर के लिये रवाना होने वाली ट्रेन (05341) अब सुबह 7. 50 पर पीलीभीत से रवाना होकर सुबह 9.50 बजे टनकपुर पहुँचेगी।

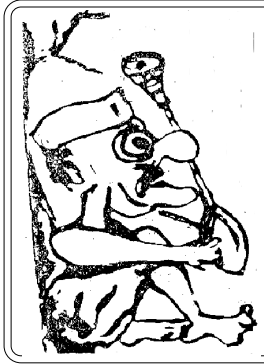

फसक

दाज्यू, हवा-पानी का असर होने वाला ठैरा

रोकड़ा होने पर झमाझम हो ही जाती है बल

दाज्यू, जी-20 सम्मेलन अभी तक खोपड़ी में घूम रहा है। जितना हो सकता था उतना स्वागत किया, खूब फूल बरसाए, खूब गीत सुनाए। कार्बेट में घुमाई हुई, जहाँ बाघ भी दिखाई दिये। मंडुवे के कुकीज, बाल मिठाई व बुरांश के जूस का आनन्द भी लिया। मेहमानों का स्वागत होने ही वाला ठैरा। गुनिया बहुत खुश है। कह रहा था- 'रामनगर में दुनियादारी देख ली। बड़े-बड़े लोग आए थे।' दाज्यू, हवा पानी का असर होने वाला ठैरा। सम्मेलन तो निपट चुका लेकिन लिपाई-घिसाई से इलाका चकमक हो चुका। रोकड़ा होने पर झमाझम हो ही जाती है बल। धौ करके रुपया खर्च हुआ है सम्मेलन में। विरोध करने वाले भी जुटे रहे। समाजवादी लोकमंच ने जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया। जिन्हें पुलिस ने रोक दिया।

हमें तो बहुत खुशी हो रही है कि अपने सीएम साब को देश के सबसे सौ ताकतवर लोगों में गिना जा रहा है। एक मीडिया कम्पनी के सर्वे में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को 2023 के 100 मोस्ट पॉवरफुल भारतीयों की सूची में रखा गया है। दाज्यू, मोदी ज्यू पहले, केन्द्रीय मंत्री अमित शाह व एस.जयशंकर दूसरे व तीसरे पायदान पर हैं बल। मीडिया सर्वे बहुत होने वाली हुई। विज्ञापन का जमाना भी ठैरा। उद्योगपति और कारोबारी भी अपने-अपने तरह के रत्न हुए।

सीएम कह रहे हैं- 'शुभ मुहूर्त में दायित्व बांटे जाएंगे।' दायित्व पाने के लिये लाइन लम्बी हो चुकी है बल। इधर भगत दा भी क्या करें? कह रहे हैं- 'मुझे न-न करने पर भी सबकुछ मिला। मैं रण छोड़कर आ गया हूँ। अब अपनों के बीच रहना है।' दाज्यू, भगतदा ठीक ठीक कह रहे हैं। मुख्यमंत्री और राज्यपाल की कुर्सी संभालने के बाद क्या रखा है? राजनीति का पहाड़ा बहुत हो चुका। घुमक्कड़ी होती रहे, यह अच्छा रहेगा।

हल्द्वानी में शराब की उधारी को लेकर पिता-पुत्र असलहा लहराने लगे। दाज्यू, हर कोई मोक्ष चाह रहा है। क्या किया जाए। जिसके मन की नहीं हुई वह चिल्ला रहा है। विज्ञान का चमत्कार है या हवा-पानी का असर, घोड़ा-गधा-खच्चर सब व्यवहार बदल चुके हैं। जिसे देखो बयान दे रहा है। हपरु कह रहा है- 'विपक्ष सयंम बरते। देश को विकास की ओर ले जाऊँगा।' दाज्यू, हमें याद है बचपन के वह दिन जब गोपदा चिलम भरते हुए कहते थे- 'बिल्डिंग बना रहा हूँ।' दाज्यू, विकास का मॉडल शराब के बिना अधूरा भी लगता है। ब्राण्ड अपने अपने ठैरे।

नैनीताल में निकाय कर्मी बहुत नाराज हैं। उन्होंने नगर पालिका की फिजूलखर्ची पर सवाल उठाए। अधिकारियों के कार्यालयों को अत्याधुनिक किया जा रहा है जबकि कर्मचारियों के आवास खस्ताहाल हैं। दाज्यू, कर्मचारी ठीक ही कह रहे हैं। हमने भी देखा है कि साब लोगों के कमरे में चिकना पत्थर लगा दिया जाता है और कुर्सी पर तौलिया.....कपूर की गोली.....। क्या किया जाए, मजबूरी भी लगती है। साब खुश तो सब ठीक। जिसकी छत टपकती है टपकती रहे।

दाज्यू, खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह भी उत्तराखण्ड और पंजाब पुलिस को छका रहा है। उसके तार नेपाल तक बताए जा रहे हैं। तराई के इलाके में अलर्ट कर दिया है। चर्चा तो यह भी हो रही है कि हथियारों की अवैध सप्लाई तराई में हो रही है। हमारी समझ नहीं आ रहा है कि बबाल में क्या मजा मिलता होगा। अमृतपाल हो या शर्बतपाल मुरलीधुट्टी सा बचपन याद रहना चाहिये।

बिजली महंगी हो चुकी है तो हो जाने दो। सस्ता अब कुछ नहीं होने वाला। नियामक आयोग का कहना है कि 9.64 फीसदी महंगी हो चुकी है। दाज्यू, बिजली-पानी चोरने वालों को क्या फर्क पड़ता है। दण्ड तो आम जनता भुगत रही है। हर महीने बिजली पानी का बिल जमा करने की चिन्ता सताती है।

दाज्यू, हमें बिजली-पानी की चिन्ता नहीं है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह अपने उत्तराखण्ड आ गये, यही सुनकर प्रसन्नता हो रही है। वह कह रहे हैं- 'कोऑपरेटिव से किसानों की आय दुगुनी होगी।' शाह जी ने हरिद्वार-ऋषिकेश के कार्यक्रमों में भागीदारी की और राष्ट्र के लिये योगदान करने को कहा। दाज्यू, बड़े लोगों के आने पर वैसे ही खुशी हो जाने वाली ठैरी। किसका क्या, किसका क्या, रंगत बनी रहती है। अब कागज के दाम भी बढ़ चुके हैं तो कापी-किताबों के तो अथाह होंगे ही। बच्चों को स्कूल पढ़ाने में माँ-बाप का कचूमर निकलने ही वाला ठैरा।

रुद्रपुर में जिला पंचायत बोर्ड की बैठक में ज्यादा सवाल पूछने पर जिला पंचायत सदस्य को नोटिस जारी हो गया है। अध्यक्ष रेनू गंगवार ने इसे पंचायती राज एक्ट का उल्लंघन बताया और कहा- 'यदि सदस्य सन्तोषजनक जवाब नहीं देते हैं तो उनको अगली बोर्ड बैठक से निलम्बित किया जाएगा।' दाज्यू, हम पहले ही कह चुके हैं कि हवा-पानी का भी असर होने वाला ठैरा। ऋषिकेश के रानीपोखरा पुलिस ने गजब का मामला पकड़ा। यहाँ एम्बुलेंस में बसी पेटी शराब रखकर ऊपर से महिला को मरीज के रूप में बैठा कर तस्करी की जा रही थी। भाबर में भबरयोब होने ही वाली ठैरी। हल्द्वानी में दिन-दहाड़े चोरी-चकारी खूब हो रही हैं। चुरड़े ताके रहते हैं कोई घर छोड़कर कहीं गया तो तो खोक्कल कर दें। नए-नए मोहल्ले और गली में बहुत कुछ हो रहा है। -तुम्हारा भुली झकरुवा

सीमान्त क्षेत्र के गाँवों के उत्पाद अब एक ही जगह उपलब्ध हों जायेंगे

गमुनस्यारी। चीन सीमा से लगे सीमान्त क्षेत्र के गाँवों का उत्पाद अब आपको एक ही जगह पर मिलेगा। जिपंस जगत मर्तोलिया के प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री बीएडीपी के अन्तर्गत विकास खण्ड मुनस्यारी के परिसर में बिक्री केन्द्रों के निर्माण को हरि झण्डी मिल गई। इसके लिए 20 लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत कर दी गई है। मुनस्यारी क्षेत्र में सब्जी, बागवानी,जड़ी बूटियां, रिंगाल तथा ऊनी हस्तशिल्प के अलावा डेरी, ट्राउट मछली आदि उत्पादन अलग अलग स्थानों पर होता है।

महिला स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा पैदा किए जाने वाले इन उत्पादों की बिक्री के लिए अभी तक मुनस्यारी विकास खंड में एक स्थान तय नहीं था।

हरकोट की सब्जी, पैंकुती का मिर्च, बोना तथा क्वीरीजीमिया का राजमा एवं आलू, दुम्मर का तैमूर, जोशा का रिंगाल का सामान, मल्ला जोहार तथा रालम की जड़ी बूटियां, जनजाति समुदाय का ऊनी हस्तशिल्प, नापड़ का गूड़, बलाती फार्म का ट्यूलिप, ढिमढिमिया तथा प्यागंती का घी, राथी तथा जैती का ट्राउट मछली, पापड़ी के देशी मुर्गी तथा कड़कनाथ के अण्डे सहित सीमान्त क्षेत्र में उत्पादित जैविक सामान एक ही स्थान पर मिलेगा। जिपंस जगत मर्तोलिया ने महिला स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के इन उत्पादों की बिक्री के लिए विकास खण्ड मुनस्यारी के परिसर में सड़क से लगी जगह पर बाजार हेतु दुकानों को बनाने का प्रस्ताव दिया था।

उन्होंने बताया कि जिला अधिकारी रीना जोशी तथा मुख्य विकास अधिकारी वरुण चौधारी ने इस प्रस्ताव के महत्व को समझते हुए इसे स्वीकृति प्रदान कर दी है।

विकास खण्ड को इसके लिए कार्यदायी संस्था बनाया गया है।

जिपंस जगत मर्तोलिया ने बताया कि गाँवों में होने वाले उत्पादों को स्थानीय बाजार में बिचोलियों की मनमानी के कारण उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा था। उन्होंने कहा कि यह स्थान सीमान्त क्षेत्र के स्थानीय मण्डी के रूप में भी आने वाले समय में स्थान लेगा।

उन्होंने कहा कि स्थानीय काष्ठ कला के अन्तर्गत इसके भवन का निर्माण किया जाएगा, ताकि इसके देखने से ही स्थानीय संस्कृति की अनुभूति होगी।

जिला पंचायत सदरस्य जगत मर्तोलिया ने इसके लिए जिलाधिकारी रीना जोशी तथा मुख्य विकास अधिकारी वरुण चौधारी का आभार व्यक्त किया। कहा कि विजनरी अधिकारियों के कारण इस तरह के नवाचार हो रहे हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

विचार

मोटा अनाज खाद्य सुरक्षा की चुनौतियों से निपटने में मदद कर सकता है

डॉ.हरीश चन्द्र अन्डोला

मोटा अनाज छोटे दाने वाली अनाज फसलों का समूह है जिसका उपयोग भोजन एवं चारे दोनों रूपों में किया जाता है। वर्तमान में विश्व भर में अलग-अलग रंगों वाले इन अनाजों की लगभग 6,000 किस्में पाई जाती हैं। ये मनुष्यों के लिये ज्ञात सबसे पुराने खाद्य पदार्थों में से एक हैं। सिन्धु घाटी सभ्यता में भी इनके उपभोग के प्रमाण मिलते हैं। वर्तमान में, ये 130 से अधिक दे ाों में उगाए जाते हैं और पूरे एशिया एवं अफ्रीका में आधे अरब से अधिक लोगों द्वारा पारम्परिक भोजन के रूप में खाए जाते हैं। मोटे अनाज के उत्पादन में पानी की कम खपत होती है, कम कार्बन उत्सर्जन होता है। यह ऐसी जलवायु अनुकूल फसल है जो सूखे वाली स्थिति में भी उगाई जा सकती है। मोटा अनाज सूक्ष्म पोषक तत्वों, विटामिन और खनिजों का भण्डार है। छोटे बच्चों और प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं के पोषण में विशेष लाभप्रद हैं। शाकाहारी खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के दौर में मोटा अनाज वैकल्पिक खाद्य प्रणाली प्रदान करता है। उत्पादन के लिहाज से भी मोटे अनाज कई खूबियां रखते हैं। इनकी खेती सस्ती और कम चिन्ता वाली होती है। मोटे अनाजों का भण्डारण आसान है और ये लम्बे समय तक संग्रहण योग्य बने रहते हैं। देश में कुछ दशक पहले तक सभी लोगों की थाली का एक प्रमुख भाग मोटे अनाज हुआ करते थे। फिर हरित क्रान्ति और गेहूँ-चावल पर हुए व्यापक शोध के बाद गेहूँ-चावल का हर तरफ अधिकतम उपयोग होने लगा। मोटे अनाजों पर ध्यान कम हो गया। यद्यपि तकनीक एवं अन्य सुविधाओं के दम पर पाँच दशक पहले की तुलना में प्रति हेक्टेयर मोटे अनाजों की उत्पादकता बढ़ गई है, लेकिन इनका रकबा तेजी से घटा और इनकी पैदावार कम हो गई। इनका उपभोग लगातार कम होता गया। स्थिति यह है कि कभी हमारे खाद्यान्न उत्पादन में करीब 40 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले मोटे अनाज की हिस्सेदारी इस समय 10 प्रतिशत से भी कम हो गई है। वस्तुत: इस समय एक बार फिर मोटे अनाज की अहमियत दो प्रमुख कारणों से उभरकर दिखाई दे रही है। एक, दुनियाभर में कुपोषण की चुनौती बढ़ गई है और दो, रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण खाद्यान्न की कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है। देश और दुनिया में भूख और कुपोषण की वर्तमान चुनौती का अनुमान हाल ही में संयुक्त राष्ट्र के द्वारा प्रकाशित द स्टेट आफ फंड सिक्योरिटी एण्ड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड रिपोर्ट 2022 में लगाया जा सकता है। इसके मुताबिक वर्ष 2021 से जहाँ भारत में 22.4 करोड़ लोग भूख व कुपोषण की चुनौती का सामना करते हुए पाए गए हैं, वहीं पूरी दुनिया में करीब 76.8 करोड़ लोग इस चुनौती का सामना कर रहे हैं। ऐसे में देश में करोड़ों लोगों के लिए पोषण युक्त आहार की व्यवस्था सुनिश्चित करना जरूरी है। ज्ञातव्य है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून 2013 के तहत सब्सिडी वाले खाद्यान्न प्राप्त करने के लिए देश की लगभग दो तिहाई आबादी हकदार है। सभी पात्र परिवारों को तीन रुपये किलो चावल, दो रुपये किलो गेहूँ और एक रुपये किलो की दर से मोटे अनाज का वितरण आवश्यक है। इसके अलावा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के लिए भी अनाज का एक बड़ा भाग उपभोग में आ रहा है। इसके तहत अप्रैल 2020 से दिसम्बर 2022 तक के लिए 80 करोड़ लोगों को अतिरिक्त रूप से 5 किलो राशन नि:शुल्क वितरण सुनिश्चित किया गया है। चूँकि गेहूँ व चावल की तुलना में मोटे अनाज में पोषण तत्व अधिक हैं और ये किसान हितैषी फसलें हैं, अतएव इनका अधिक उत्पादन एवं अधिक वितरण किया जाना बहुआयामी उपयोगिता देते हुए दिखाई देगा। इसमें कोई दो मत नहीं है कि पिछले 8 वर्षों में सरकार ने मोटे अनाजों को लोगों थाली में स्थान दिलाने को लेकर बहुस्तरीय प्रयास किए हैं। भारत के अधिकांश राज्य एक या अधिक मिलेट (मोटा अनाज) फसल प्रजातियों को उगाते हैं। खासतौर से अप्रैल 2018 से सरकार देश में मोटे अनाज का उत्पादन बढ़ाने के लिए मिशन मोड में काम कर रही है। सरकार ने मोटे अनाज के न्यूनतम समर्थन मूल्य में राहतकारी वृद्धि की है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत मिलेट के लिए पोषक अनाज घटक 14 राज्यों के 212 जिलों में क्रियान्वित किया जा रहा है। साथ ही राज्यों के जरिये किसानों को अनेक सहायता दी जाती है। देश में मिलेट मूल्यवर्धित श्रृंखला में 500 से अधिक स्टार्टअप काम कर रहे हैं। मोटे अनाजों के वैश्विक उत्पादन में भारत का हिस्सा करीब 40 फीसदी के आसपास है। मोटे अनाजों के उत्पादन और निर्यात में पूरी दुनिया में भारत पहले क्रम पर है। देश में मोटा अनाज उत्पादन के शीर्ष राज्य राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात और मध्यप्रदेश के द्वारा मोटा अनाज के उत्पादन के विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। खासतौर से मध्य प्रदेश में मोटे अनाज उत्पादन के लक्षित प्रयासों की ऊँची सफलता मिली है। प्रदेश के खाद्य मंत्री कमल पटेल के मुताबिक जिस तरह प्रदेश में मोटा अनाज उत्पादन को उच्च प्राथमिकता के साथ प्रोत्साहित किया जा रहा है, उससे मोटे अनाज के उत्पादन बढ़ने के साथ इनका निर्यात भी तेजी से बढ़ा है। ऐसे में जरूरी है कि आगामी वर्ष 2023 में देश के विभिन्न प्रदेश अपने-अपने यहाँ उत्पादित होने वाले मोटे अनाजों के उत्पादन और उनके वितरण पर अधिक ध्यान देवें। हम उम्मीद करें कि भारत 2023 में जी-20 की अध्यक्षता करते हुए अन्तरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के उद्देश्यों व लक्ष्यों के मद्देनजर देश और दुनिया में मोटे अनाजों के लिए जागरूकता पैदा करने में सफल होगा और इससे मोटे अनाज का वैश्विक उत्पादन बढ़ेगा, मोटे अनाज का वैश्विक उपभोग बढ़ेगा। साथ ही कुशल प्रसंस्करण एवं फसल चक्र का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा। हम उम्मीद करें कि भारत के द्वारा वर्ष 2023 में मोटा अनाज वर्ष के तहत मोटे अनाजों के प्रति जागरूकता की प्रभावी रणनीति से एक बार फिर मोटे अनाज को देश के हर व्यक्ति की थाली में अधिक जगह मिलने लगेगी। इससे कुपोषण और खाद्य चुनौती का सामना किया जा सकेगा। साथ ही मोटे अनाज के निर्यात से अधिक विदेशी मुद्रा प्राप्त की जा सकेगी, जो भारत के लिए लाभदायक होगा। इससे पोषण सुधारने के साथ-साथ मोटे अनाज के उत्पादन और खपत को प्रोत्साहन मिलेगा। गौरतलब है कि मोटे अनाजों को पोषण का पावर हाउस कहा जाता है। पोषक अनाजों की श्रेणी में ज्वार, बाजरा, मक्का, रागी, चीना, कोदो, सावां, कुटकी, कुट्टू और चौलाई प्रमुख हैं। विभिन्न दृष्टिकोणों से मोटे अनाज की फसलें किसान हितैषी फसले हैं। अन्तरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के उद्देश्यों व लक्ष्यों के मद्देनजर देश और दुनिया में मोटे अनाजों के लिए जागरूकता पैदा करने में सफल होगा और इससे मोटे अनाज का वैश्विक उत्पादन बढ़ेगा, मोटे अनाज का वैश्विक उपभोग बढ़ेगा। साथ ही कुशल प्रसंस्करण एवं फसल चक्र का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा। हम उम्मीद करें कि भारत के द्वारा वर्ष 2023 में मोटा अनाज वर्ष के तहत मोटे अनाजों के प्रति जागरूकता की प्रभावी रणनीति से एक बार फिर मोटे अनाज को देश के हर व्यक्ति की थाली में अधिक जगह मिलने लगेगी उम्मीद की जानी चाहिए कि कृषि महकमा पूरी मुस्तैदी और गम्भीरता से इस योजना को धरातल पर उतारेगा, ताकि पहाड़ की खेती की तस्वीर संवर सके। 2023 के बजट में केन्द्र सरकार ने मोटे अनाज को 'श्री अन्न' का नाम देकर उपभोक्ताओं को भगवान के भोजन के प्रति आकर्षित किया है। मगर ये प्रयास तभी सफल होंगे जब मोटे अनाज का रकबा और उत्पादन बढ़ाने के लिए उचित मूल्य और सुनिश्चित खरीद की व्यवस्था की जाए।

ज्योतिष की बातें - 121

14 अप्रैल 2023 को सूर्य मित्रराशि मेष में प्रवेश करेगा। वहाँ पर बुध पहले से ही विद्यमान होगा इसलिए बुधादित्य योग बनेगा। लेकिन साथ ही सूर्य राहु से ग्रस्त रहेगा और शनि की दृष्टि भी पड़ेगी। इस कारण सूर्य अत्यन्त निर्बल रहेगा और अपना फल स्पष्ट रूप से देने में असमर्थ रहेगा। सूर्य आत्मबल, शक्ति, स्फूर्ति, आरोग्य, शत्रुनाश, सम्मान, सफलता, धन लाभ, पिता, यश एवं कीर्ति, प्रशासन क्षमता, पदोन्नति आदि का प्रमुख कारक होता है। सूर्य चन्द्रमा से तीसरे, छठवें, दसवें व ग्यारहवें स्थान पर शुभ फल प्रदान करता है। अत: अगले एक माह सूर्य अपने कारक विषयों में कुम्भ, वृश्चिक, कर्क व मिथुन राशि के जातकों को अल्प मात्रा में शुभ फल प्रदान करेगा। अन्य राशि वालों को अभी प्रतीक्षा करनी चाहिए शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद

सम्यक विचार- 12

बचपन छीनती शिक्षा

आजकल 5-5, 6-6 साल के मासूम बच्चों पर पढ़ाई का भार बहुत बढ़ गया है। इस कारण छुट्टियों में कभी नानी के यहाँ नहीं जा पाते, मोहल्ले के बच्चों के साथ भी नहीं खेल पाते और घर पर तो खेलने का सवाल ही नहीं क्योंकि अधिकांश बच्चे अकेली सन्तान होते हैं। कारण- साल भर बच्चों के स्कूल में कोई न कोई परीक्षा, मासिक टेस्ट, असाइनमेंट आदि निरन्तर चलते रहते हैं। प्रतिदिन का होमवर्क और ट्यूशन आदि के कारण हमेशा व्यस्त रहते हैं खेलने का समय ही नहीं होता। जब होली दिवाली जैसे त्योहारों की छुट्टी होती है तो भारी-भरकम होमवर्क भी दे दिया जाता है। कई स्कूल तो इतनी दुष्टता करते हैं कि होली, दिवाली जैसे बड़े त्योहारों की ठीक बाद में टेस्ट रख देते हैं जिस कारण बच्चे अपना त्यौहार भी खुश होकर ठीक से नहीं मना पाते हैं।

बच्चों की पढ़ाई का तनाव कम करने के लिए, बस्ते का बोझ कम करने के लिए, कापी किताबों की संख्या कम करने के लिए बहुत सी सरकारों ने प्रयास किए लेकिन वे सभी शिक्षा माफियाओं के दबाव में आकर सुधार नहीं कर सके। वैसे इस अत्याचार में मासूम बच्चों के माता-पिता का भी हाथ होता है जो बच्चों के परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए पूरी जान लगा देते हैं और इस प्रकार खुद ही अपनी लाडले का बचपन नष्ट करते हैं ।

आगे क्या कोई ऐसी सरकार कभी आएगी जो मासूम बच्चों पर हो रहे पढ़ाई के अत्याचार को समाप्त कर सके ?

- सरल

आपके पत्र

जागो देशवासियो

भारत देश प्राचीन काल से सनातन धर्मी रहा है। यहाँ कई वर्षों तक सनातन धर्मावलम्बियों का शासनतन्त्र बना रहा। बीच में (मध्यकाल) कुछ आक्रान्ताओं द्वारा लूटपाट कर गुलाम बनाया गया। इसके पश्चात अंग्रेजों ने व्यापार के बहाने अपना आधिपत्य जमा लिया। इस प्रकार कई वर्षों की गुलामी के बाद फिर देश के अपनी राह पर आया। 1947 को आजादी तो मिली लेकिन साम्प्रदायिक दंगे और देश बंटवारा देखने को मिला। इसके बाद भी देश में धर्म परिवर्तन, अपहरण जैसे कार्य करने वाले सक्रिय रहे हैं। अपने राजनीतिक लाभ के लिये नेतागण भी चुप रहे हैं।ऐसे में भारत में सनातन धर्म की स्थिति सुरक्षित रखने के लिये जागना होगा अन्यथा जो देश सनातन पद्धति का रहा है वहाँ स्थितियां बिगड़ेंगी। सनातन धर्म विश्व को सुख शान्ति का सन्देश है।

बेटियों की दर्दनाक मौत

इधर कुछ अरसे से बेटियों की दर्दनाक मौतों की घटनाओं के समाचार लगातार बढ़ रहे हैं, यह गम्भीर चिन्ता का विषय है। देखने में आया है कि लव जेहाद के की घटनाएं उत्तरोत्तर बढ़ रही हैं, कुछ बालिकाएं बिना किसी प्रकार का पूर्व परिचय प्राप्त किये ही इन राक्षस एवं असुर प्रवृत्ति के लोगों के साथ मिलकर लिव इन रिलेशन व पार्टनशिप में रहने लगती हैं। पता नहीं यह घृणित प्रथा किस देश से षड्यन्त्र व साजिश के तहत आयोजित होकर आई है। इनसे सचेत रहना है।

-एन.बी.पाण्डे, सीनियर सिटीजन

नौ कम्पनियां करेंगी केदारनाथ हेली सेवा का संचालन

चारधाम यात्रा में केदारनाथ हेली सेवा का संचालन इस बार नौ कम्पनियां करेंगी। उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण ने टेंडर प्रक्रिया पूरी कर तीन साल तक हेली सेवा संचालन के लिये कम्पनियों के साथ अनुबन्ध किया है। गुप्तकाशी से केदारनाथ के लिये हेली सेवा संचालित करने वाली कम्पनियों में- ट्रांस भारत, आर्यन एविएशन, फाटा से केदारनाथ के लिये पवनहंस, कैस्ट्रल एविएशन, ग्लोबल विक्ट्रा, थंबी एविएशन, सिरसी से केदारनाथ के लिये हिमायन हेली, कैस्ट्रल और एयरो एविएशन कम्पनी हैं।

इस समय हेली सेवा के लिये आनलाइन बुकिंग शुरु हो चुकी है। 22 अप्रैल से शुरु हो रही चारधाम यात्रा के लिये यूकाडा ने केदारनाथ हेली सेवा के लिये तैयारियां पूरी कर ली हैं।

अनुमान है कि इस बार चारधाम यात्रा में रिकार्ड भीड़ होगी। हेली सेवा के द्वारा भी काफी बढ़ोत्तरी होगी।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

नीती दर्रे से कैलाश मानसरोवर यात्रा की मांग

सीमान्त मलारी घाटी के प्रधानों ने केन्द्रीय मंत्री मांडविया से की बातचीत

गोपेश्वर। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनमुख मांडविया ने कहा कि बाइब्रेंड विलेज प्रोगाम के द्वारा सीमान्त गाँवों के ग्रामीणों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के प्रयास किये जा रहे हैं। डॉ. मांडविया का नीती घाटी के प्रधानों ने भोजपत्र की माला पहनाकर अगवानी की। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित पंखी, कोट तथा डीएम हिमांशु खुाना ने आर्गेनिक पहाड़ी उत्पाद भेंट किए।

आयोजन में जनजाति महिलाओं ने पौण नृत्य की प्रस्तुति से स्वागत किया। सीमान्त मलारी घाटी के प्रधानों ने केन्द्रीय मंत्री मनमुख मांडविया से कैलास मानसरोवर यात्रा नीती दर्रे से प्रारम्भ कराने की मांग की। प्रधान संगठन के महामंत्री पुष्कर सिंह राणा ने केन्द्रीय मंत्री को सौंपे ज्ञापन में कैलास मानसरोवर यात्रा नीती दर्रे से कराने की मांग की। उन्होंने आजीविका के संसाधनों के बढ़ावा देने पर चर्चा की। मंत्री को सौंपे ज्ञापन में मलारी एवं सुराईठोठा में एलोपैथिक पीएचसी की स्थापना, द्रोणागिरी में आयुर्वेदिक एवं ऐलोपैथिक केन्द्र निर्माण, पर्यटन सम्बन्धी रोजगार सम्वर्द्धन के लिए सीमादर्शन कार्यक्रम को बढ़ावा देने की मांग की। ज्ञापन में मलारी एवं सुराईठोठा में 108 एम्बुलेंस सेवा की तैनाती का आग्रह किया गया। जुम्मा-द्रोणागिरी मोटर मार्ग का निर्माण तत्काल पूरा करने तथा ऋषिकेश और देहरादून से मलारी-गमशाली तक उत्तराखण्ड परिवहन की बस सेवा उपलब्ध कराए जाने की मांग की गई। सामुदायिक सेवा केन्द्र जोशीमठ का नामकरण चिपको नेत्री गौरा देवी के नाम पर करने का भी आग्रह किया गया।

उल्लेखनीय है कि नीती दर्रे से भी कैलास मानसरोवर यात्रा कराये जाने की मांग कई वर्षों से की जा रही है। इसके पीछे क्षेत्रवासियों ने तर्क भी दिये हैं।

कुम्भ की तर्ज पर केदारनाथ की व्यवस्था हो

केदारनाथ धाम में यात्रा तैयारियां पूर्ण नहीं होने पर तीर्थ पुरोहित नाराज

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ तीर्थपुरोहित समाज ने यात्रा शुरु होने से पूर्व केदारनाथ धाम में चल रही तैयारियों को देखा और नाराजी व्यक्त की।

तीर्थ पुरोहित प्रशासन की ओर से की जा रही तैयारियों से नाखुश दिख रहे हैं। उनका कहना है कि प्रत्येक वर्ष केदारनाथ धाम में यात्रा अव्यवस्थाओं के बीच शुरु की जा रही है। जिसका नुकसान तीर्थ यात्रियों को झेलना पड़ रहा है। केदारनाथ पैदल मार्ग का सुधारीकरण काफी चुनौतीपूर्ण होने वाला है। समय कम है और काम ज्यादा, ऐसे में तीर्थ पुरोहित एवं स्थानीय लोगों को मोर्चा संभालने की जरूरत है।

केदारनाथ धाम की यात्रा एकदम सामने है और अभी तक पैदल मार्ग को दुरुस्त नहीं किया गया है। यात्रा तैयारियों का जायजा लेने के लिये केदारसभा के अध्यक्ष राजकुमार तिवारी के नेतृत्व में तीर्थ पुरोहितों की टीम केदारनाथ धाम पहुँची। केदारनाथ धाम में अभी भी भारी मात्रा में बर्फ जमी है। पैदल मार्ग पर जगह-जगह ग्लेशियर टूटे हुए हैं। बड़े-बड़े ग्लेशियरों के बीच से होकर आवाजाही करनी पड़ रही है। अब समय कम है और 15 अप्रैल से धाम में स्थानीय लोगों की आवाजाही शुरु हो जायेगी।

केदारनाथ धाम के वरिष्ठ तीर्थी पुरोहित आचार्य सन्तोष त्रिवेदी ने कहा कि धाम की शुरुआती चरण की यात्रा चुनौतीपूर्ण रहेगी। खासकर पैदल मार्ग पर सफर करना काफी दिक्कत भरा है। उन्होंने कहा कि कुम्भ की तर्ज पर केदारनाथ धाम के लिये भी अलग से प्रशासन की व्यवस्था होनी चाहिये। यदि ऐसी व्यवस्था होती है तो वह जनवरी-फरवरी से अपनी व्यवस्थाएं करना शुरु देंगे और कपाट खुलने से एक महीने पहले सभी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से हो जाएंगी।

सोर घाटी में चैतोल की धूम मची है कोटगाड़ी व हाट कालिका में श्रद्धालु उमड़े

परिक्रमा

सोरघाटी सहित नेपाल सीमा से लग गाँवों में चैतोल की धूम मची है। देवल समेत देवता अपनी 22 बहनों को भिटोली देने के लिये इस समय जाते हैं। इस पर्व को कृषि से भी जोड़ा जाता है। पिथौरागढ़ जिला मुख्यालय से लगे विण गाँव के मन्दिर में इसकी शुरुआत हुई। दौला, देवलथल, मखौलिया गाँव, चटकेश्वर मन्दिर से बस्ते, देकटिया, मइसिलौली से घुंसेरा गाँव, नैनीसेनी, कासनी होते हुए देव डंगरिये डोली के साथ घूमे। चैतोल के दौरान गाँवों में खेल लगाये गये। लेलू, जाख, मजिकांडा, सतगढ़, तल्ला चर्मा समेत कई गाँवों में चैतोल पर्व को उत्साह के साथ मनाया गया।

गंगोलीहाट में महाकाली दरबार में श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। ग्रीष्म के सीजन में अपने घर-गाँव आने वालों से लेकर मनौती के साथ आने वाले श्रद्धालु हाट कालिका, पातालभुवनेश्वर की ओर रुख करते हैं। हाटकालिका मैय्या की दुनियाभर में मान्यता है और कुमाऊँ रेजीमेंट की यह कुलदेवी भी है। फौज भी यहाँ विशेष पूजा के लिये आती है। इसी प्रकार पुंगराऊ घाटी में कोटगाड़ी देवी के दरबार में इन दिनों श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी हुई है। कोकिला माता के रूप में भी भक्तजन इस न्याय की देवी को पूजते हैं। कोटगाड़ी में दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालुओं के कारण मन्दिर क्षेत्र गुलजार है। न्याय की देवी की मान्यता इतनी ज्यादा है कि अपने जंगल, पनघट बचाने के लिये लोग देवी को इन्हें सौंप देते हैं। जिस कारण देवी को चढ़ाए गये वनों से वन चोरी नहीं होती है। कहते हैं जो चोरी-चकारी करेगा उसे देवी दण्ड देगी। कोटगाड़ी मन्दिर में जाने के लिये थल से जाया जाता है। इसके अलावा बेरीनाग-बागेश्वर मार्ग पर कोटमन्या-थल मार्ग पर होते हुए भी यात्रीगण पहुँचते हैं।

गुमदेश में चमू देवता के जयकारों की गूंज

व्यापारिक मेले में बड़ी संख्या में लोग पहुँचे। दुर्गम रास्तों को पार कर चमू देवता की शोभायात्रा

लोहाघाट। गुमदेश के प्रसिद्ध चैतोल मेले में इस बार भी धूमधाम रही। चमू देवता की शोभा यात्रा में सैकड़ों लोग बारिश के बावजूद बने रहे। जमान की मड़ गाँव में देवता का रथ पहुँचने पर पूजा-अर्चना हुई। चौपता, नेवलटटुकर, सीलिंग, बनकुनी, जाख, जिन्डी, सिरकोट आदि गाँवों में पहले दिन व पुल्ला, पोखरी, खेतकुनी, गुरेली, मड़ गाँवों में दूसरे दिन त्यौहार मनाया गया। लीक (महाप्रसाद) तैयार कर प्रात:काल सबसे पहले चमू देवता, सिलिंग के केदारज्यू, मड़ के महिषासुर मर्दनी मन्दिर में चढ़ाया गया। पं. मोहन चन्द्र कलौनी ने विधिविधान से पूजा-अर्चना कराई।

ढोल नगाड़ों के साथ चमू देवता की शोभा यात्रा दुर्गम रास्तों को पार करते हुए जमानीगढ़ में रुकी। इसके बाद चौपता, बसकुनी, सीलिंग, नेवलटुकरा में लोगों ने रथ में कन्धा देते हुए उसे खुटछुरी तक पहुँचाया। जहाँ धामी गुमदेश के राजा के आदेश का पालन करते हुए रथ से उतरे। बाद में पुल्ला, पोखरी, जाख, सिरकोट के लोग रथयात्रा में शामिल हुए। मेले में पुल्ला, सिरकोट, जाख, जिन्डी, गुरेला, बसकुनी आदि गाँवों के जत्थों ने बारी-बारी से मन्दिर की परिक्रमा की। इसके बाद सिलिंग, चौपता, बसकुनी, न्यौलटुकर के जत्थों ने परिक्रमा की। मेले में बड़ी संख्या में नेपाल से भी श्रद्धालु पहुँचे।

तीन दिनी चैतोल मेले का का व्यापारिक रूप भी है। इसमें बड़ी संख्या में लोग जुटे और सामान की खरीद की। इन दिनों प्रवासी लोग भी यहाँ जुटते हैं। इसमें देश-विदेश के तमाम जगहों से इष्ट-मित्र जुटे। आयोजन समिति के अध्यक्ष हरक सिंह भण्डारी, जोगा सिंह धौनी, नर सिंह धौनी, विकांस सिंह, हयात सिंह आदि थे।

रामगंगा और गगास में छोड़ा जाए पिंडर का पानी

द्वाराहाट के लोकप्रिय नेता रहे स्व.विपिन त्रिपाठी का महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट था

अल्मोड़ा/द्वाराहाट। उत्तराखण्ड क्रान्ति दल के कर्मठ नेता और द्वाराहाट के लोकप्रिय विधायक रहे स्व. विपिन त्रिपाठी के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट रामगंगा और गगास नदी में पिण्डर नदी के पानी को छोड़ने की मांग एक बार फिर से मुखर होने लगी है।

द्वाराहाट के कैड़ारो घाटी के युवाओं ने गगास नदी के गिरते जल स्तर को देखते हुए पिण्डर नदी का पानी दोनों नदियों में छोड़े जाने की मांग की है। गगास नदी से रानीखेत और द्वाराहाट क्षेत्र के लिए दर्जन भर से अधिक पेयजल योजनाएं वर्तमान में संचालित हैं। पूर्व विधायक स्व. विपिन त्रिपाठी ने पिण्डर नदी का पानी गगास और रामगंगा नदियों में छोड़े जाने का प्रस्ताव तैयार किया था। उनके निधन के बाद इस प्रस्ताव पर कोई कार्रवाई नहीं हो पायी है। वर्ष 1982-83 में अविभाजित उत्तर प्रदेश के तत्कालीन सिंचाई मंत्री लोकमणि त्रिपाठी जब यहाँ क्षेत्र भ्रमण पर आए तब क्षेत्रवासियों ने इस प्रकरण को भी उनके समक्ष रखा था। तब मंत्री ले पिण्डर के जल से 2000 क्यूसेक जल अल्मोड़ा जिले के लिए आरक्षित करने के निर्देश दिये थे।

क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता कैलास लाल साह पूर्व से इस बहुआयामी योजना के क्रियान्वयन को लेकर लगातार जन प्रतिनिधियों से अनुरोध करते आ रहे हैं। इस अभियान में ललित कैड़ा, महेश कैड़ा, ललित चौधरी, मोहन सिंह अधिकारी व साथी शामिल हैं।

बताते चलें कि द्वाराहाट, सोमेश्वर की घाटियों में खेती-किसानी प्रमुख जरिया है। सिंचाई के लिये पानी की जरूरतों को देखते हुए भी नदियों में जल की पर्याप्त मात्रा जरूरी है। रानीखेत उपमण्डल, बग्वालीपोखर, मासी, चौखुटिया सभी जगह परम्परागत खेती हो रही है लेकिन वर्तमान समय के अनुरूप संसाधन व आधुनिक व्यवस्थाएं भी जरूरी हो गई हैं। रामगंगा और गगास में पिण्डर का पानी जरूरी है

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

नमजला में पक्की पुलिया निर्माण होगा

मुनस्यारी। राजकीय बालिका इण्टर कालेज नमजला की बालिकाओं को स्कूल आने-जाने के लिए सुरक्षित सुविधा देने के लिए जिलाधिकारी रीना जोशी ने दैवीय आपदा मद से पक्की पुलिया निर्माण के लिए 19.80 लाख रुपए स्वीकृत कर दिए हैं। बालिकाओं के अलावा दस ग्राम पंचायतों के सैकड़ों लोगों को इस पुलिया निर्माण का लाभ मिलेगा।

बालिका इण्टर कालेज नमजला की बालिकाओं तथा आसपास के ग्राम पंचायत दरांती, दरकोट, रांथी, दुम्मर तल्ला एवं मल्ला, बनियागाँव, कवाधार, सेरा सुराई धार, पैंकुती, जलथ के 12 हजार की आबादी के पैदलयात्रा के लिए बनी पुलिया वर्ष 2018 की आपदा में बह गया थी। पैदल पुलिया की जगह स्थानीय लोगों ने लकड़ी की कच्ची पुलिया बनाई थी। इससे आर पार जाते समय बीते वर्ष दो बालिकाएं घटधार गधेरे में बह गयी थी। जिसमें से एक की दर्दनाक मौत भी हो गई।

घटधार गधेरे को आर पार करने के लिए पक्की पुलिया नहीं होने के कारण इन गाँवों की बालिकाओं को तीन किलोमीटर की परिधि में बने राजकीय बालिका इण्टर कालेज नमजला की जगह शिक्षा ग्रहण करने के लिए 8 किलोमीटर दूर राजकीय इण्टर कालेज मुनस्यारी अध्ययन के लिए जाना पड़ रहा है। बरसात के समय घटधार गधेरे में जल स्तर बढ़ जाने के कारण बालिकाएं स्कूल तक नहीं आ पाते थे। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने जिला अधिकारी के सम्मुख यह मामला उठाया। उन्होंने डीएम से पुलिया के नहीं होने पर हो रही समस्याओं पर बात की।

जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग डीडीहाट को पुलिया निर्माण का आगणन बनाने का आदेश दिया। लोनिवि डीडीहाट द्वारा प्रस्तुत आगणन के आधार पर डीएम ने दैवीय आपदा मद से नमजला-घटधार पैदल मार्ग में घटगाड नाले में 18 मीटर स्पान पैदल पुलिया निर्माण कार्य के लिए 19.80 स्वीकृत कर कार्यदायी संस्था को बजट स्वीकृ कर दिया है।

धौलादेवी क्षेत्र की उपेक्षा पर प्रदर्शन

अल्मोड़ा। धौलादेवी क्षेत्र की समस्याओं को लेकर क्षेत्रवासियों के साथ उपपा ने धौलादेवी के तहसील परिसर में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यदि ग्रामीण क्षेत्रों की उपेक्षा की गई तो उग्र आन्दोलन के लिये बाध्य होना पड़ेगा।

24 नवम्बर को क्वेराली (नैनी) में गुलदार ने एक बच्चे को मार दिया था। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पीड़ित परिवार को 25 लाख का मुआवजा व एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दी जाए और गुलदार को नरभक्षी घोषित किया जाए। दन्या से आरा सल्पड़ जर्जर मार्ग का शीघ्र डामरीकरण हो। नैनी, दन्या, खेती, भनोली, ध्याड़ी, पनुवानौता में आधार सेन्टर खोले जाएं। बालिका इण्टर कालेज कालेज में रिक्त पद भरे जाएं।

केन्द्र सरकार की मंजूरी

हल्द्वानी व उधमसिंहनगर में बनेंगे फ्लाईओवर

हल्द्वानी व उधमसिंह नगर में फ्लाईओवर बनेंगे या नहीं के सवाल पर काफी उहापोह के बाद अब तय है कि फ्लाईओवर बनेंगे। केन्द्र की ओर से इसके लिये बजट मंजूर हो चुका है।

केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने देहरादून के धर्मपुर चौक से हरिद्वार बाईपास जाने वाली मातामन्दिर रोड पर शहर वासियों को सुविधा देने के लिये 1500 मीटर लम्बा फ्लाईओवर मंजूर किया है। इसके साथ ही राज्य की 5 अन्य सड़कों पर भी फ्लाई ओवर परियोजनाओं को मंजूरी दी है। राज्य सरकार ने सीआरआईएस सेतु बंधन योजना के तहत केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राज्यमार्ग मंत्रालय से राज्य के 6 राज मार्गों पर फ्लाईओवर परियोजनाओं की मंजूरी का अनुरोध किया था।

लोनिवि के एचओडी की ओर से इस सम्बन्ध में केन्द्र को प्रस्ताव भेजा गया था। प्रस्ताव को अब केन्द्र सरकार ने मंजूरी दी। इन 6 परियोजनाओं के लिये 193 करोड़ का बजट पास हुआ है। केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के अनु सचिव की ओर से राज्य के मुख्य सचिव को इस सन्दर्भ में पत्र भेजा गया है। उधमसिंह नगर के गदरपुर दिनेशपुर हल्द्वानी राज्यमार्ग पर बने रेलवे क्रासिंग पर 120 मीटर लम्बा फ्लाईओवर बनेगा। गदरपुर दिनेशपुर हल्द्वानी राज्यमार्ग पर पर दूसरा 90 मीटर लम्बा फ्लाईओवर बनना है। हल्द्वानी में इन्द्रानगर शनिबाजार मन्दिर गेट ग्रामीण मार्ग पर बने रेलवे क्रासिंग पर 60 मीटर लम्बा फ्लाईओवर बनेगा। इसी प्रकार हरिद्वार जिले में ज्वाला पुर सराय पवड़ धनपुर स्टेट हाईवे के रेलवे क्रासिंग पर 60 मीटर लम्बा, रुड़की लक्सर बालावाली स्टेट हाईवे पर रेलवे क्रासिंग के पर 70 मीटर लम्बा फ्लाईओवर तथा देहरादून में धर्मपुर हरिद्वार बाईपास सड़क पर मातामन्दिर सड़क स्थित रेलवे क्रासिंग पर 150 मीटर लम्बा फ्लाई ओवर बनेगा।

जी-20 का असर

रामनगर में कालेज मार्ग पर सजेगा बाजार

रामनगर। जी-20 सम्मेलन के बाद से शहर में असर बना हुआ है। सम्मेलन के बहाने हुई साफ-सफाई, रंगाई-पुताई से इलाके में नया माहौल तो बना ही है। सम्मेलन का सीधा असर यहाँ देखा जा रहा है। मेहमानों की विदाई के बाद पूरे आयोजन को लेकर समीक्षा होने लगी है। इस बीच स्थानीय प्रशासन के दिशा निर्देश पर डिग्री कालेज मार्ग पर शाम को बाजार लगाने की पहल हुई है। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिये रेहड़ी और स्थानीय उत्पादों बिक्री के लिये माहोल बनेगा। लखनपुर चुंगी से कोसी बैराज तक शाम को 5 बजे से 8 बजे तक यातायात नहीं चलेगा ताकि लोग पैदल घूमते हुए इस विशेष बाजार में खरीददारी के अलावा व्यंजनों का स्वाद ले सकें। जी-20 सम्मेलन के कारण कालेज रोड का कायाकल्प हो चुका है इसी आकर्षण से अब नई तैयारी है। जिलाधिकारी ने इस कार्य में रुचि ली है।

चारधाम यात्रा तैयारी

गूगल मैप से सभी रूटों की जानकारी होगी

चारधाम यात्रा की तैयारी पूरी हो चुकी है। यात्रा के सभी रूटों की जानकारी गूगल मैप पर होगी। इसके लिये डीजीपी देहरादून, उधमसिंह नगर, नैनीताल और हरिद्वार के एसपी ट्रैफिक के साथ बैठक कर कहा कि इन चार बड़े जनपदों में हाईवे बन जाने के बाद यातायात की ड्यूटियों में परिवर्तन होने के साथ ही नई चुनौतियां सामने आई हैं। इन रूटों पर कई लोग जानकारी न होने से परेशान हो जाते हैं इसलिये गूगल मैप से सभी रूटों की जानकारी साझा करना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि जनता से सम्वाद स्थापित करते हुए चारधाम यात्रा को सकुशल पूरा करना लक्ष्य है। डीजीपी ने कहा कि समय से पर्याप्त संख्या में ड्यूटी के लिये पीआरडी जवानों की मांग कर ली जाए। यात्रा के लिये सबसे जरूरी रूट डायवर्जन है। इसकी जानकारी सभी को मिल सके इसके लिये ड्यूटी लगाई जाए।

इस बीच परिवहन निगम ने 120 बसों का बेड़ा चारधाम यात्रा में चलाने की तैयारी कर ली है। रोडवेज जीएम और आरएम ने समीक्षा बैठक में कहा कि यात्रा के दौरान चालकों के रहने-खाने की व्यवस्था की जायेगी।

कितने घपले

आयुर्वेद विवि के उप कुलसचिव पर मुकदमा

देहरादनू। उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय लगातार घपलों में घिरा हुआ है। अब उप कुलपति पर मुकदमा दर्ज हुआ है। विश्व विद्यालय के मुख्य वित्त नियंत्रक ने उप कुलसचिव पर मारपीट और गाली गलौज का आरोप लगाया है। मामले में डोईवाला थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है।

शिकायतकर्ता मुख्य वित्त नियंत्रक अमित जैन ने पुलिस को बताया कि उप कुलसचिव संजीव कुमार पाण्डे की नियुक्ति पर जाँच का आदेश दिया है। कमेटभ ने हाल में यह जाँच रिपोर्ट प्रस्तुत की। 28 मार्च को उप कुलसचिव उनके कार्यालय में बिना अनुमति जबरन घुस गए और गाली-गलौच करने लगे। इसकी सूचना तत्काल विवि कुलपति और शासन के उच्चाधिकारियों को मौखिक व लिखित रूप में दी गई थी।

आवास विकास परिषद कार्यालय में स्वाहा

हल्द्वानी। आवास विकास कार्यालय परिषद में इसकी फाइलें स्वाहा हो गई। अपर आयुक्त ने आयुक्त आवास विकास परिषद को पत्र लिखकर मजिस्ट्रेट जाँच के लिये कहा है। यह सोचने की बात है कि आवास विकास सम्बन्धी दस्तावेजों को स्वाहा करने वाले कौन हैं? हो सकता है कि आवास विकास की करोड़ों की भूमि पर कोई गड़बड़ के कारण इसकी फाइलों को आग के हवाले कर दिया गया हो। यह सब तो जाँच से ही पता चलेगा लेकिन एक बार यह फिर से साबित हो गया है कि बड़े घपले-घोटाले को दबाने के लिये आग-पानी का खेल होता है।

शेरनाले पर पुल बनने से होगी सुविधा

हल्द्वानी। चोरगलिया-सितारगंज रोड पर शेरनाले पर 120 मीटर लम्बा पुल बनाने की तैयारी है। इससे आने-जाने वालों को बेहद सुविधा होगी क्योंकि अभी तक इस स्थान पर रपटा होने से बरसात के दिनों में बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार हादसे भी हो चुके हैं। बताया गया है कि इस पुल के निर्माण के लिये वर्ड बैंक 10 करोड़ देगा।

हल्दूचौड़ में बन रहा है मिनी शांतिकुन्ज

हल्द्वानी। गायत्री शक्तिपीठ के व्यवस्थापक बसन्त पाण्डे ने दावा किया है कि हल्दूचौड़ गायत्री पीठ को शान्तिकुन्ज (हरिद्वार) की तरह बनाया जा रहा है। पाँच मंजिले भवन में भारत का सांस्कृतिक और आध्यात्मिक अवतार जीवन्त दिखाई देगा।

श्री पाण्डे ने बताया कि अखिल भारतीय विश्व गायत्री परिवार हल्दूचौड़ में मिनी शान्तिकुन्ज में 24 अवतारों, ऋषियों और समय-समय पर हुए साधकों की जीवनी के सचित्र प्रदर्शनी के दर्शन प्रत्येक मंजिल की दीवारों पर आधुनिक डिजिटल पर आधारित प्रदर्शनी बनाने की योजना है।

पंचाचूली में दस मड हट बनेंगे

मुनस्यारी/धारचूला। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिये वन विभाग ने कार्ययोजना तैयार की है। दारमा घाटी में पर्यटकों के विश्राम के लिए दस मड हट्स (मिट्टी की झोपड़ी) बनाए जाएंगे। मुनस्यारी के दस गाँवों में आधुनिक टैंट विलेज बनेंगे। यह लीलम, बुर्फू इत्यादि में बनेंगे जिसमें 15-15 टैंट लगेंगे। प्रभागीय वन अधिकारी मोहन दगाड़े ने बताया कि मुनस्यारी के हरकोट वन पंचायत में स्कीइंग के लिए विकसित किया जायेगा। खलिया में गेट का सौन्दर्यीकरण और ईको पार्क पातलथौड़ में बच्चों के लिये पार्क बनाया जायेगा।

बेमौसमी भारी वर्षा से खेती को नुकसान

जसपुर। बेमौसमी भारी वर्षा से तराई में खेती को भारी नुकसान हुआ है। जसपुर में लाही व गेहूँ की खेती का नुकसान देख काश्तकार चिन्तित हैं। वर्षा से गेहूं व लाही की फसल में पानी भर जाने से फसलों की कटाई में काफी विलम्ब हो जायेगा। खेतों में पानी भरे होने के कारण कीचड़ बना हुआ है।

गगास नदी में अवैध खनन पर हंगामा

रानीखेत। गगास नदी पर हो रहे अवैध खनन को लेकर कोट्यूड़ा के ग्रामीणों ने संयुक्त मजिस्ट्रेट को शिकायती पत्र सौंपा। साथ ही आपसी हंगामा भी हुआ।

ग्रामीणों ने खुलेआम अवैध खनन का आरोप लगाया। ग्रामप्रधान पर खनन करने वालों को संरक्षण देने का आरोप लगते ही ग्रामीण आपस में भिड़ गये। हंगामे के बाद प्रशासन ने जाँच को कहा है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

भिटौली का माह चैत की हार्दिक शुभकामनाएं-

विजय बिष्ट

जय कम्युनिकेशन

टनकपुर

(चम्पावत)

प्रेम सिंह बरफाल

मैनेजर

भा.स्टेट बैंक सितारगंज

(उधमसिंह नगर)

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारात घर
नानासेम, मुनस्यारी

गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
मुनस्यारी
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल एवं जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

Hotel Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi
Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

सप्ताह के पर्व

बैशाख कृष्ण पक्ष

14 अप्रैल- वैशाख आरम्भ
16 अप्रैल- वरुथिनी एकादशी
20 अप्रैल- अमावस्या
22 अप्रैल- परशुराम जयन्ती

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती
फोन/फैक्सः (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014, 9410713075,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com
पत्र व्यवहार के लिये पते-
जे0के0पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)